PRAGATI (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लिमेंटेशन)

स्रोत: लाइवमिंट

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एक हालिया अध्ययन में **बुनियादी ढाँचे के विकास में बदलाव हेतु** भारत के **PRAGATI (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लिमेंटेशन)** प्लेटफॉर्म की प्रशंसा की गई है, जिसके माध्यम से **205 बिलियन अमेरिकी डॉलर** मूल्य की 340 विलंबित परियोजनाओं को सफलतापूर्वक गति प्रदान की गई।

- **परिचय:**
    - यह एक **बहुउद्देश्यीय एवं बहु-मॉडल सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) प्लेटफॉर्म है जिसे डिजिटल इंडिया कार्यक्रम** के तहत **वर्ष 2015** में लॉन्च किया गया था।
    - **इसका उद्देश्य प्रमुख हितधारकों के बीच रियल टाइम उपस्थिति** एवं आदान-प्रदान के साथ **ई-पारदर्शिता** तथा **ई-जवाबदेहिता में वृद्धि** करना है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
    - इसके तहत **निर्णय लेने की प्रक्रिया को सरल बनाने, लालफीताशाही** को कम करने तथा **परियोजना की समयसीमा को कम करने के** क्रम में **प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में डिजिटल डैशबोर्ड तथा वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग** समीक्षाओं का उपयोग होता है।
    - यह **आम आदमी की शिकायतों का समाधान करने** तथा **भारत सरकार** के प्रमुख कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं के साथ-साथ **राज्य सरकार** द्वारा चिह्नित परियोजनाओं की **निगरानी एवं समीक्षा** करने पर केंद्रित है।
    - इसके तहत हरित प्रौद्योगिकियों एवं धारणीय प्रथाओं पर बल दिया जाता है।
- **PRAGATI के तहत उल्लेखनीय परियोजनाएँ:**
    - चिनाब ब्रिज (जम्मू और कश्मीर)
    - बोगीबील ब्रिज (असम)
    - **जल जीवन मिशन:** ग्रामीण नल जल कनेक्शनों को **2019 में 17% से बढ़ाकर 2024 तक 79% करना,** जिससे देश भर में जल की पहुंच बढ़ेगी।

और पढ़ें: IPEF मंत्रिस्तरीय बैठक 2024

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pragati-3